

ASME-23-IHIS-I

INDIAN HISTORY (PAPER-I)

भारतीय इतिहास (पेपर-I)

Time Allowed: 3 Hours
निर्धारित समय : 3 घंटे

[Maximum Marks : 100
अधिकतम अंक : 100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

प्रश्न पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें ।

1. There are EIGHT questions printed in both. English and Hindi.
इसमें आठ प्रश्न हैं जो अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में छपे हैं ।
2. Candidate has to attempt FIVE questions in all either in English or Hindi.
उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में देने हैं ।
3. Question No. 1 is compulsory. Out of remaining seven questions, FOUR are to be attempted.
प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है । शेष सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
4. All questions carry equal marks. The number of marks carried by a question/ part are indicated against it.
सभी प्रश्नों के समान अंक हैं । प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।
5. Write answers in legible handwriting.
सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखिए ।
6. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
प्रश्न के भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए ।
7. Attempts of the questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो । खाली छोड़ें गए कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पर्णतः काट दीजिए ।
8. Re-evaluation/ re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुनः जाँच की अनुमति नहीं है ।

1. (a) The Urban Planning and Culture of Harappan Civilization has provided inspiration to modern day urbanization. Discuss critically. 10
हड़प्पा सभ्यता की शहरी योजना और संस्कृति ने आधुनिक शहरीकरण को प्रेरणा प्रदान की है। आलोचनात्मक चर्चा करें।
- (b) What do you know about the styles of Temple construction in India? Describe the Nagara and Dravidian styles. 10
आप भारत में मंदिर निर्माण की शैलियों के बारे में क्या जानते हैं? नागर और द्रविड़ शैलियों का वर्णन करें।
2. Discuss the main features of Rig Vedic Culture. Trace the changes occurred in the Vedic Culture during the later Vedic period. 20
ऋग्वैदिक संस्कृति की मुख्य विशेषताओं की चर्चा करें। उत्तर वैदिक काल के दौरान वैदिक संस्कृति में हुए परिवर्तनों का पता लगाएँ।
3. Discuss in detail the literary and archaeological sources of the period of Gautam Buddha. How far archaeological evidences substantiate the literary sources? 20
गौतम बुद्ध के काल के साहित्यिक एवं पुरातात्विक स्रोतों की विस्तार से चर्चा करें। पुरातात्विक साक्ष्य किस हद तक साहित्यिक स्रोतों की पुष्टि करते हैं?
4. Trace the nature and contents of Ashoka's Dharma on the basis of his Edicts. How far his Dharma was influenced by Buddhism. 20

अशोक के शिलालेखों के आधार पर उसके धर्म की प्रकृति और सामग्री का पता लगाएँ। उनका धर्म बौद्ध धर्म से किस हद तक प्रभावित था।

5. Examine the impact of urbanization on Indian Society and Economy in Post Mauryan period. Trace archaeological evidences of the Urbanization during this period. 20

मौर्योत्तर काल में भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था पर शहरीकरण के प्रभाव का परीक्षण करें। इस अवधि के दौरान शहरीकरण के पुरातात्विक साक्ष्यों का पता लगाएं।

6. What does the term Indian Feudalism signify? Discuss the main interpretations on the Indian Feudalism. 20

भारतीय सामंतवाद शब्द क्या दर्शाता है? भारतीय सामंतवाद पर मुख्य व्याख्याओं की चर्चा करें।

7. Describe in detail Alberuni's survey of Indian Society and Sciences. How far can it be corroborated with other sources? 20

अल्बरूनी के भारतीय समाज और विज्ञान के सर्वेक्षण का विस्तार से वर्णन करें। इसकी पुष्टि अन्य स्रोतों से कहाँ तक की जा सकती है?

8. Krishnadeva Raya, the King of Vijaynagar was not only an accomplished scholar but also a great patron of literature, art and architecture. Discuss critically. 20

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय न केवल एक निपुण विद्वान थे, बल्कि साहित्य, कला और वास्तुकला के महान संरक्षक भी थे। आलोचनात्मक चर्चा करें।
